

सेवा में,

प्राप्त कै० माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

शिक्षा निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग -3

देहरादून

दिनांक 22-अप्रैल, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में दिनांक 01-04-2006 से 30-04-2006 तक माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु लेखा-नुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: अर्थ-1/ 1698/ बजट/ 2006-07 दिनांक 15-4-2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 में दिनांक 01-04-2006 से 30-04-2006 तक की अवधि के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं पर व्यय हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में ₹0 90,60,000/- एवं आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 7,75,00,000/- इस प्रकार कुल ₹0 8,65,60,000/- (रुपये आठ करोड़ पैंसठ लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निवर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण वितरण अधिकारी वेतन, मंहगाई भत्ता, अन्य भत्ते, मंहगाई वेतन की आवश्यक मदों पर ही व्यय किया जायेगा। उक्त मदों से भिन्न मदों में व्यय हेतु धनराशि के आहरण के प्रस्ताव पूर्ण औचित्य सहित शासन की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे।

2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिचय्य की सीमा तक ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/ शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

1- योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा

- जहाँ आवश्यक हो राशम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- 2- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैन्युअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य राशम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
 - 3- अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
 - 4- आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के सम्बन्ध में व्यापारिक एवं वस्तुओं के विवरण शासन को निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
 - 5- निव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
 - 6- व्यय सम्बन्धी जो भी बिल बोधाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें लेखा शीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
 - 7- स्वीकृत धनराशि की जिलावार फाँट सम्बन्धित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आग-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक "2202-सामान्य शिक्षा"- 02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित सम्बन्धित व्ययवार शीर्षक /सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामों डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के आचारणीय संख्या-38 वित्त अनुमान-3 / 06 दिनांक 21-4-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय

(एसो के० माहेश्वरी)
अपर सचिव

संख्या: 225 /N XIV-3/2006 तदुद्दिष्टक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, भा० मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल।
- 3- निजी सचिव, भा० मंत्री जी, उत्तरांचल।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- द्रष्टव्य राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी /
कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 7- रामस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 8- रामस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 9- रामस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तरांचल।
- 10- वित्त विभाग / नियोजन प्रकोष्ठ।
- 11- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग)।
- ✓ 12- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव

शासनादेश संख्या: 228/XXIV-3/2006 दिनांक 22 अप्रैल, 2006
का संलग्नक—

लेखा शीर्षक/ योजना	स्वीकृत धनराशि हजार में	
	आयोजनागत	आयोजनात्तर
2202-सामान्य शिक्षा -		
02- माध्यमिक शिक्षा-		
110- गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को सहायता -		
03- गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को सहायक अनुदान		
0301-आवर्तक अनुदान -		
43- वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान	-	75000
04-अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों को सहायता-		
0403-सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त वेतन भुगतान हेतु अनुदान -		
43- वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान	1250	-
0407- पीठटी0ए0 शिक्षकों को मानदेय-		
20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राजसहायता -	1660	-
05- अशासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालयों को सहायता-		
0501-अशासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालयों को अनुदान सूची में लिया जाना-		
20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राजसहायता	6150	-
05- भाषा विकास-		
103 संस्कृत शिक्षा-		
04- संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान-		
43- वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान	-	2500
योग-	9060	77500

(कुल रुमारे आठ करोड़ पैंसठ लाख साठ हजार मात्र)

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव